संपूर्ण क्रांति दिवस 4-5 जून 2023 को सर्व सेवा संघ परिसर, राजघाट, वाराणसी में आयोजित प्रतिरोध सम्मेलन में पारित

प्रस्ताव – एक

संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर 4-5 जून 2023 को राजघाट परिसर, वाराणसी में आयोजित 'प्रतिरोध सम्मेलन' में सर्व सेवा संघ की जमीन पर उ. प्र. गांधी स्मारक निधि द्वारा निर्मित भवनों में स्थित और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा एवं पहल से स्थापित गांधी विद्या संस्थान को बेदखल कर कमिश्नर, वाराणसी द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र को अवैध रूप से सौंपने के प्रयास की तीव्र भर्त्सना करता है।

ज्ञात हो कि 15 मई 2023 को वाराणसी के कमिश्नर कौशल राज शर्मा (जिनका सूत्र स्पष्टत: पीएमओ से जुड़ा हुआ है) के एक आदेश के द्वारा पुलिस के सहयोग से बलपूर्वक ताला तोड़कर राष्ट्रीय कला केन्द्र को कब्जा दिलाया गया। कमिश्नर की यह कवायद की शुरुआत 28 फरवरी 2023 को आयोजित एक बैठक से हुई। गांधी विद्या संस्थान को सक्रिय व देखरेख करने के लिए एडीजे (दशम) के आदेश से एक संचालन समिति का गठन किया गया था, जिसका अध्यक्ष कमिश्नर, वाराणसी होता है। इस समिति का क्षेत्राधिकार गांधी विद्या संचालन को सक्रिय व गतिशील करना है न कि किसी अन्य असंबद्ध संस्था को दे देना। कमिश्नर ने अपने क्षेत्राधिकार एवं कानून के शासन के सिद्धांत की घोर अवहेलना किया है।

सर्व सेवा संघ एवं उ. प्र. गांधी स्मारक निधि के बीच लीज करार के प्रावधान के अनुसार अगर गांधी विद्या संस्थान किसी कारणवश बंद हो जाता है या अन्य जगह स्थानांतरित हो जाता है, तो जमीन स्वत: सर्व सेवा संघ की हो जायेगी तथा भवनों का उपयोग सर्व सेवा संघ तथा उ. प्र. गांधी स्मारक निधि की सहमति से होगा। इस प्रावधान के अनुसार उक्त जमीन एवं भवन संबंधित संस्थाओं अर्थात सर्व सेवा संघ तथा उ. प्र. गांधी स्मारक निधि को मिलना चाहिए न कि बंदरबांट के सिद्धांत पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र को।

अत: सम्मेलन में शामिल सभी गांधीजन, समाजवादी, जेपी आंदोलन तथा प्रगतिशील संगठनों के प्रतिनिधि मांग करते हैं कि कमिश्नर अपने आदेश को वापस लें और 16 मई 2023 के माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश का तामील करते हुए उक्त भवनों को सर्व सेवा संघ एवं उ. प्र. गांधी स्मारक निधि को सौंपा जाय।

संपूर्ण क्रांति दिवस 4-5 जून 2023 को सर्व सेवा संघ परिसर, राजघाट, वाराणसी में आयोजित प्रतिरोध सम्मेलन में पारित

प्रस्ताव – दो

आचार्य विनोबा भावे, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पर साजिश कर जमीन हड़पने का आरोप शर्मनाक

स्थानीय प्रशासन एवं रेलवे की मिलीभगत से सर्व सेवा संघ पर यह आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी, सदर वाराणसी के यहां मुकदमा दायर किया गया है कि सर्व सेवा संघ ने 'कूटरचित' तरीके से रेलवे द्वारा इस जमीन को खरीदा है, जो कि 'आपराधिक कृत्य' है। सवाल मौजू है कि इस 'कूट रचना' के वास्तुकार कौन थे? आचार्य विनोबा भावे ने लाल बहादुर शास्त्री से इस जमीन पर सर्व सेवा संघ का एक केन्द्र बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इस भू-भाग को वैध तरीके से चालान जमा कर 1960, 1961 एवं 1970 में खरीदा गया है। आज 63 वर्षों बाद रेलवे को अचानक ज्ञान प्राप्त हुआ कि यह जमीन कूटरचित तरीके से हड़पा गया है। इस प्रकरण का सीधा निष्कर्ष है कि आचार्य विनोबा भावे, लालबहादुर शास्त्री, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद आदि मनीषीगण इसमें शामिल रहे हैं।

यह सम्मेलन जिला प्रशासन एवं रेलवे के इस लज्जाजनक आरोपों की तीव्र निन्दा करता है और उक्त शिकायत/मुकदमा को निरस्त करने की मांग करता है।

संपूर्ण क्रांति दिवस 4-5 जून 2023 को सर्व सेवा संघ परिसर, राजघाट, वाराणसी में आयोजित प्रतिरोध सम्मेलन में पारित

प्रस्ताव – तीन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष श्री रामबहादुर राय से अपील

यह बहुत आश्चर्य एवं दु:ख की स्थिति है कि लोकनायक जयप्रकाश आंदोलन में शामिल एक प्रमुख व्यक्तित्व ही जे. पी. की विरासत को अवैध तरीके से हड़पने की कूट योजना में अनायास ही शामिल हो जाये। वाराणसी के कमिश्नर को गांधी विद्या संस्थान से कोई मतलब नहीं है क्योंकि सर्व सेवा संघ ने बार-बार उन्हें पत्र लिखकर पुस्तकालय के संचालन का प्रस्ताव रखा था और लीज के प्रावधानों के अनुसार सर्व सेवा संघ को यह अधिकार भी प्राप्त है। पर, उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। वे विगत 5 महीने से एक शिकारी की तरह जमीन की टोह में इस क्षेत्र में घूमते रहे हैं और अंत में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र को इस्तेमाल कर अपने इरादे को अंजाम देने का उन्होंने प्रयास किया है।

सम्मेलन आपसे अपील करता है कि गांधी विद्या संस्थान पर राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा किये जा रहे अवैध कब्जे के प्रयासों से खुद को अलग कर लें और माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (वाद संख्या 29975/2007) के आदेश के अनुपालन की राह को सुगम बनाने में सकारात्मक योगदान करें।

संपूर्ण क्रांति दिवस 4-5 जून 2023 को सर्व सेवा संघ परिसर, राजघाट, वाराणसी में आयोजित प्रतिरोध सम्मेलन में पारित

प्रस्ताव – चार

कार्यक्रम संबंधित

1. संपूर्ण क्रांति दिवस से लेकर अगस्त क्रांति दिवस तक गांधी संस्थानों एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमलों के खिलाफ एक समन्वित और निरंतर प्रतिवाद अभियान चलाया जायेगा।

2. अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर 9-10 अगस्त, 2023 को सर्व सेवा संघ के राजघाट, वाराणसी परिसर में जन प्रतिवाद सम्मेलन में व्यापक भागीदारी को सुनिश्चित किया जायेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए देश भर के सभी प्रगतिशील जनसंगठनों, गांधी संस्थाओं, समाजवादी समूहों से संपर्क किया जायेगा।

3. इस सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए जेपी निवास, कदमकुआं पटना से एक यात्रा निकलेगी, जो जेपी जन्मस्थान सिताबदियारा होते हुए 8 अगस्त 2023 को राजघाट, वाराणसी पहुंचेगी।

4. सर्व सेवा संघ परिसर में स्थित जेपी प्रतिमा के सामने जिलावार/संगठनवार धरना दिया जायेगा। यह कार्यक्रम निरंतर चलेगा।

5. गांधी विद्या संस्थान एवं सर्व सेवा संघ की जमीन हड़पने के विरुद्ध 17 जून 2023 को दिल्ली में प्रतिवाद सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए जुलाई 2023 में लखनऊ में भी प्रतिवाद सम्मेलन आयोजित होना है।

6. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष श्री रामबहादुर राय से गांधीजनों का एक प्रतिनिधि मंडल मिलकर उनसे गांधी विद्या संस्थान को कब्जा करने की भूमिका से खुद को अलग कर लेने का आग्रह करेगा।